छोड़ने के लिए बाध्य हो जाते हैं। इसके नए-नए तकनीकी की आवश्यकता पड़ती है। देश के तकनीकी की कमी है। इसके आयात पर अधिक खर्च पड़ता है इसलिए उत्पादक इसका विरोध करते हैं। मजदूर भी अधिक मजदूरी माँगने लगता है। एजेंसियों के अतिरिक्त और मशीन का व्यवस्था खराब हो जाता है। इससे बेरोजगारी बढ़ने की सम्भावना रहती है। इन कारणों से श्रमसंघ इसका विरोध करते हैं। उपभोक्ता को भी विवेकीकरण से कुछ खास खतरा की सम्भावना रहती है। ऐसा सोचना है कि उत्पादक आपस में मिल जाते हैं और उपभोक्ताओं से अधिक कीमत वसूलते हैं।

अतः यह कहा जा सकता है कि विवेकीकरण को नियोजित एवं नियमित ढंग से सुरक्षा सावधानियों के साथ लागू किया जाए।

श्रम संघ बेरोजगारी के डर से विवेकीकरण का विरोध करता है। इसमें मशीनों का अधिक उपयोग होता है। श्रमिकों की माँग घट जाती है। श्रमिकों की छँटनी होने लगती है।

श्रमिकों का यह भी मत है कि विवेकीकरण लागू होने से कार्य का बोझ बढ़ जाता है। साथ ही कार्य में नीरसता आ जाती है।

Sunil Kumar
30/4/2020

इसकी प्रमुख परिभाषाएँ निम्नलिखित हैं।

जर्मनी की राष्ट्रीय बचत तथा कार्यक्षमता परिषद के अनुसार,

"विवेकीकरण तांत्रिक साधनों तथा व्यवस्थित योजनाओं को कहते हैं जो समस्त उद्योगों को उन्नत बनाने, उत्पादन बढ़ाने लागत कम करने तथा माल की किस्म को सुधार करने में आवश्यक हों।"

विश्व आर्थिक सम्मेलन जिनेवा 1927 के अनुसार,

"विवेकीकरण में श्रम के वैज्ञानिक संगठन, कच्चा माल तथा उत्पादित वस्तुओं के प्रमापीकरण, क्रियाओं के सरलीकरण तथा यातायात और विक्रय के साधनों की सुधार को सम्मिलित किया जाता है।"

भूतपूर्व राष्ट्रपति श्री वी॰ वी॰ गिरि के अनुसार

"विवेकीकरण का मतलब उत्पादन विधी में क्रान्तिकारी परिवर्तन लाना है जिससे उत्पादन परम्परागत तथा अव्यवस्थित विधियों के स्थान पर निश्चित सिद्धान्तों तथा वैज्ञानिक विधियों के द्वारा किया जाता है।"

उपरोक्त परिभाषाओं का अध्ययन करने के पश्चात यह कहा जा सकता है कि विवेकीकरण का अर्थ एक ऐसी क्रिया से है जो विवेक, तर्क बुद्धि एवं सोच विचार द्वारा की जाती है। इसमें उत्पादन की विधियों में परम्परागत विधियों को त्याग कर उत्पादन कम खर्च पर अधिक किया जाता है।

गुण → इसके निम्नलिखित गुण हैं या लाभ हैं :-

(1) लाभों में वृद्धि होना

(2) उत्पादन व्यय में कमी

Scanned with CamScanner

③ प्रमापीकरण का लाभ
④ उचित केन्द्रीकरण
⑤ नवीनीकरण का लाभ
⑥ श्रम तथा पूंजी में एकता
⑦ औद्योगिक अनुसंधान

Advantages to Workers →

① वेतन में वृद्धि
② कार्यकुशलता में वृद्धि
③ गतिशीलता में वृद्धि
④ कार्य की दशाओं में सुधार
⑤ रोजगार की स्थिरता

Advantages to Consumers →

① सस्ते मूल्य में वस्तु मिलना
② अच्छी किस्म की वस्तु
③ चुनाव के झंझट से मुक्ति
④ रहन सहन के स्तर में वृद्धि,

Advantages to the country

① राष्ट्रीय आय में वृद्धि
② व्यापारिक चक्र से बचाव
③ देश के आर्थिक साधनों का सर्वोत्तम उपयोग होता है
④ विदेशी प्रतिस्पर्धा से रक्षा
⑤ राष्ट्रीय बचत।

Demerits → विवेकीकरण के कुछ खतरे हैं। इसके कुछ दोष हैं। इसलिए कहा जाता है कि Rationalisation is not a blessing. बल्कि यह कहना चाहिए विवेकीकरण के मार्ग में उतने ही गड्ढे हैं जितने कि सफलताएँ भी आशाएँ की जाती हैं। यह काफी खर्चीली है। इसे सिर्फ धनी व्यक्ति ही अपना सकते हैं। जो गरीब व्यवसायी हैं वह व्यवसाय

Dr. Samal [illegible]
[illegible] College, Sahawar
[illegible]

प्र० विवेकीकरण को आप क्या समझते हैं? इसके मुख्य लक्षणों का वर्णन करें? श्रमिकों द्वारा इसका विरोध क्यों किया जाता है?

Ans → विवेकीकरण को अंग्रेजी में 'Rationalization' कहते हैं। इस शब्द की उत्पत्ति अंग्रेजी के Rational शब्द से हुई है जिसका अर्थ है तर्क अथवा विवेक से काम लेना होता है। अतः इसी हिन्दी शब्द विवेकीकरण भी विवेक शब्द से बना है जिसका अर्थ कार्य को सोच समझकर ठीक ढंग से करना होता है। इसे अभिनवीकरण, वैज्ञानीकरण, युक्तिकरण आदि भी कहा जाता है। इसकी उत्पत्ति जर्मनी में 1918 में हुई थी लेकिन मान्यता इसे 1925 में दी गई थी। प्रथम विश्वयुद्ध से जर्मनी को गहरा धक्का लगा था। इसकी अर्थव्यवस्था तितर बितर हो गई थी। उद्योग धन्धे प्रायः ध्वस्त हो चुके थे। श्रमिकों की भारी कमी, पूँजी की न्यूनता तथा मित्र राष्ट्रों का आभार कर्ज था फलस्वरूप भुगतान की कोई सम्भावना ही नहीं दिखाई पड़ती थी। इन सब दुर्दिनों में जर्मनी के उद्योगों में विवेकीकरण को अपनाया गया। इसे अपनाते ही जर्मनी की अर्थव्यवस्था को एक नया जीवन मिला। इसे अपनाते ही जर्मनी की अर्थव्यवस्था को एक नया जीवन मिला, औद्योगिक क्षेत्र में एक क्रान्तिकारी परिवर्तन हुए जिसका प्रमाण यह है कि द्वितीय विश्वयुद्ध के समय यह सम्पूर्ण विश्व पर छा गया था। इस प्रकार यह राष्ट्रीय ही नहीं अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर पूर्णरूप से लागू किया जा रहा है। भारत में सर्व प्रथम 1928 में बम्बई तथा अहमदाबाद के सूती वस्त्र मीलों में इसे अपनाया गया था।

Ajanta Milky

Scanned with CamScanner